# अलफ़ाज़ हैं कम

**_Pre-chorus_**

D# Dm Gm D# Cm F
अलफ़ाज़ हैं कम, आँखें मेरी नम ख़यालों में तेरे काम बेशुमार
D# Dm Gm D# Cm F
कैसे मैं कह सकूँ, कैसे बयाँ करुँ तेरा प्यार जो है बेइंतिहाँ } 2

**_Chorus_**

Bb Gm F Bb
मेरी हर साँस तेरे नाम से मसीहा है जुड़ी
Bb Gm D# Bb
मेरी इस ज़िन्दगी की हर खुशी महरबानी है तेरी } 2
D# F Bb Gm Bb Gm
महरबानी है तेरी, महरबानी है तेरी, महरबानी है तेरी

**_Verse 1_**

Bb Gm D# Bb
टूटा सा, बिखरा सा था मैं यूँ ही पड़ा
Bb Gm D# Bb (2nd time F )
बेवजह ज़िन्दगी को था जी मैं रहा } 2
D D# F Bb
तेरा करम मुझपर हुआ है, तू मेरे जीने की वजह है - 2

**_Verse 2_**

दिल में तू और जुबाँ पे है तेरा ही नाम
तेरे हाँथों में है मेरे जिस्म–ओ–जाँ } 2
रहमत तेरी ना मुझसे जुदा हो, ऐसा फ़ज़ल मुझपे खुदा हो - 2

Words and music by Anish Masih